Maharshi Dayanand University
Rohtak

Ordinances, Syllabus and Courses of Reading for

Prajana Visharad Shastri (M.D.U. Scheme)

Examination

Session—2002-2003

Available from :

Deputy Registrar (Publication)
Maharshi Dayanand University
Rohtak-124 001 (Haryana)

Price :

At the Counter : Rs. 50/-
By Regd. Parcel : Rs. 75/-
By Ordinary Post : Rs. 60/-

नियम/अध्यादेश :

प्राच्य लौकिक भाषाओं में डिप्लोमा और साहित्यिक उपाधियां

1. डिप्लोमा के परीक्षाएं –

   (i) संस्कृत भाषा और साहित्य में प्रवीणता – 'प्राज्ञ' नाम से

   (ii) संस्कृत भाषा और साहित्य में उच्च प्रवीणता – 'विशारद' नाम से

   (iii) संस्कृत भाषा और साहित्य में हॉनर्स – 'शास्त्री' नाम से

   प्राज्ञ और विशारद की परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम का समय प्रत्येक के लिए दो दो वर्ष होगा और शास्त्री के लिए तीन वर्ष का होगा। भाग–1 प्रथम वर्ष की समाप्ति पर, भाग–2 द्वितीय वर्ष की समाप्ति पर और भाग–3 तृतीय वर्ष की समाप्ति पर ।

2. परीक्षाएं सामान्यतया उप–कुलपति द्वारा निर्धारित तिथियों पर अप्रैल 1 मई और सितम्बर 1 अक्टूबर के महीनों में होगी ।

   कम्पार्टमेन्ट वाले विद्यार्थियों के लिए एक पूरक परीक्षा उपकुलपति द्वारा निर्धारित तिथियों पर सामान्यतया उसी वर्ष के सितम्बर/अक्टूबर महीनों में ली जाएंगी ।

   इस धारा के अर्न्तगत निर्धारित तिथियां परीक्षा नियंत्रक के द्वारा इस पाठ्यक्रम के लिए मान्यता प्राप्त सम्बद्ध संस्थाओं और कालेज के प्रधान को सूचित कर दी जाएगी।

3. एक विद्यार्थी का दाखिला फॉर्म और फीस अन्तिम तिथि के बाद भी 105 रू० की विलम्बित फीस देकर विश्वविद्यालय के द्वारा सूचित अन्तिम तिथि तक जमा कराया जा सकता है ।

4. (अ) (i) प्राज्ञ भाग १ की परीक्षा के प्रवेश के लिए विद्यार्थी को आठवीं या मिडिल स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए ।

   (ii) एक व्यक्ति जिसने इस विश्वविद्यालय की प्राज्ञ भाग १ की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, प्राज्ञ भाग २ कक्षा के प्रवेश के योग्य होगा।

   (ब) एक व्यक्ति जिसने निम्न में से कोई परीक्षा उत्तीर्ण की है, विशारद कक्षा में प्रवेश के योग्य होगा ।

   (i) इस विश्वविद्यालय की प्राज्ञ परीक्षा।

   (ii) बोर्ड ऑफ स्कूल एडुकेशन हरियाणा से संस्कृत एक विषय के रूप में लेकर मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो :–

   (iii) किसी दूसरे बोर्ड या विश्वविद्यालय से इस विश्वविद्यालय की उर्पयुक्त (i) और (ii) के समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई और परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।

   इस प्रावधान के साथ कि एक विद्यार्थी जिसका बोर्ड ऑफ एडुकेशन हरियाणा की या अन्य विश्वविद्यालय/बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा में कम्पार्टमेन्ट

है, को विशारद परीक्षा के पढ़ने के लिए शर्त के साथ अनुमति दी जाएगी। यदि ऐसा विद्यार्थी ३० नवम्बर से पूर्व पूरक/विषयों में पुनः परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण जुटाने में असमर्थ रहता है तो विशारद परीक्षा का उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा और अग्रिम १ दिसम्बर से उसे कक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(स) एक व्यक्ति जिसने विश्वविद्यालय की शास्त्री भाग १ या भाग २ परीक्षा नियमित/प्राइवेट विद्यार्थी के रूप में हरियाणा राज्य से उत्तीर्ण की है, शास्त्री भाग २ या भाग ३ में वस्तुस्थिति के अनुरूप भर्ती के योग्य होगा ।

(द) एक व्यक्ति जिसने निम्नलिखित में से कोई परीक्षा उत्तीर्ण की है शास्त्री भाग १ कक्षा में भर्ती के योग्य होगा ।

(i) विशारद परीक्षा या
विश्वविद्यालय की मध्यमा परीक्षा (गुरूकुल झज्जर योजना) या १०+२ इन्टरमीडिएट परीक्षा संस्कृत के साथ

(ii) दूसरे विश्वविद्यालय की परीक्षा जो उपर्युक्त (i) के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो।

इस प्रावधान के साथ कि एक विद्यार्थी जिसे इस विश्वविद्यालय की विशारद या मध्यमा परीक्षा या 10+2 इन्टर मीडिएट परीक्षा के एक पत्र/विषय से अधिक में कम्पार्टमेन्ट में नहीं रखा गया है, को शास्त्री परीक्षा के लिए पढ़ने के लिए शर्त के साथ अनुमति दी जाएगी ।

यदि विद्यार्थी उस विषय की पूरक परीक्षा को उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहता है जिस विषय में वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ था, तो उसे उस विषय में नियमित या प्राइवेट विद्यार्थी के रूप में उच्च कक्षा की परीक्षा जिसमें वह भर्ती हुआ है, के साथ में बैठने की अनुमति होगी। यदि वह उन विषयों में, जिनमें पहिले अनुत्तीर्ण हुआ था, उत्तीर्ण होने में या परीक्षा में बैठने में असफल रहता है तो उसका उच्चतर परीक्षा का परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा और दुबारा तब तक बैठने की अनुमति नहीं होगी जब तक वह निम्नतर परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता।

किन्तु यदि वह उच्चतर परीक्षा में उत्तीर्ण होने लायक अंक प्राप्त कर लेता है, तो अगले तीन वर्षो में न्यूनतर परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की शर्त के साथ, उसका उच्चतर परीक्षा परिणाम शर्त के साथ घोषित कर दिया जाएगा, और जब तक वह ऐसा नहीं करता है, उच्चतर कक्षा में अध्ययन करने की उसे अनुमति नहीं दी जाएगी ।

आगे इस प्रावधान के साथ कि एक विद्यार्थी, जो एक विषय में विशारद या मध्यमा या १०+२ इन्टरमीडिएट या किसी दूसरे बोर्ड या

विश्वविद्यालय की इस विश्वविद्यालय द्वारा, इस विश्वविद्यालय की विशारद या मध्यमा या १०+२ इन्टरमीडिएट परीक्षा के समकक्ष मान्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो, का शास्त्री भाग १ में भर्ती होने की शर्त होने की शर्त सहित (प्रोविजनली) अनुमति दी जा सकती है, यदि वह या उसके माता–पिता में से कोई भी या वह व्यक्ति जिस पर वह निर्भर है, हरियाणा का स्थायी निवासी है या हरियाणा राज्य में सरकारी/अर्धसरकारी विभाग/संगठन या व्यवस्थायी (स्टेटयूटरी बॉडी) समिति या सरकार द्वारा अधिकृत संस्था (Understanding) का साथ ही उनका जिनके मुख्यालय चण्डीगढ़ में स्थित हैं, का कर्मचारी है। ऐसे विद्यार्थी को ३० नवम्बर से पहिले–पहिले विश्वविद्यालय को यह प्रमाण देना होगा कि उसने वह विषय उत्तीर्ण कर लिया है जिसमें वह वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है, नहीं तो उसका उच्चतर कक्षा का प्रावधानिक प्रवेश स्वतः ही अग्रिम दिन से ही निरस्त समझा जाएगा।

एक विद्यार्थी जो 'निर्भर' के रूप प्रवेश लेना चाहता है, को सम्बन्धित व्यक्ति से प्रतिज्ञापित 'कि विद्यार्थी उस पर पूर्णतया निर्भर है ' शपथ पत्र देना होगा।

एक विद्यार्थी के सम्बन्ध में, जो वार्षिक परीक्षा में एक विषय में अनुत्तीर्ण होता है, एक शैक्षणिक वर्ष का समय उस परीक्षा से गिना जाएगा जिसमें वह उस विषय में पहली बार अनुत्तीर्ण हुआ था।

5. एक व्यक्ति जो ऊपर धारा 4 में कही गई कोई योग्यताएं रखता है, और इस पाठ्यक्रम(कोर्स) के लिए मान्यता प्राप्त सम्बद्ध संस्था/कालेज के उपस्थिति सूची में रहा है, परीक्षा से पूर्व के शैक्षणिक वर्ष के दौरान और सम्बद्ध इन्स्टीटयूशन के मुख्याधिकारी/कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा हस्तारित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, तो परीक्षा में बैठने के लिए योग्य होगा :–

(अ) अच्छे चरित्र का प्रमाण पत्र ।

(ब) पूर्ण कोर्स के कम से कम 2/3 व्याख्यानों में उपस्थित होने का प्रमाणपत्र

6. धारा ५ की शर्त उस विद्यार्थी पर लागू नहीं होगी जो प्राइवेट विद्यार्थियों से सम्बद्ध अधिनियमों के तहत परीक्षा में बैठने के लिए योग्य है ।

ऐसा विद्यार्थी अपना प्रवेश पत्र निम्नलिखित में से किसी के द्वारा भी प्रतिहस्ताक्षरित करवा सकता है :–

(i) कर्मचारी के रूप में परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में अपने सम्बद्ध विभाग/संस्था के प्रधान द्वारा

(ii) दूसरे प्राइवेट विद्यार्थियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से किसी एक

द्वारा

(क) मान्यता प्राप्त हाई/हाइर सैकेन्डरी स्कूल के प्रधान द्वारा

(ख) म० द० विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रदत्त या स्थापित कॉलेज के प्रधानाचार्य द्वारा

(ग) म० द० विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्था (इन्स्टीटयूशन) के प्रधान द्वारा

(घ) विश्वविद्यालय के शिक्षण निभाग (टीचिंग डिपार्टमेन्ट) के प्रधान द्वारा

(ड़) जिला या सर्कल के शिक्षा अधिकारी द्वारा

(च) सैनिकों के सम्बन्ध में उसकी यूनिट के कमांडिग ऑफिसर द्वारा

(छ) पुस्तकालय कर्मचारियों के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और केन्द्रीय (सैन्ट्रल)/राज्यस्तरीय पुस्तकालय के प्रमुख द्वारा

(ज) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के सम्बन्ध में कम से कम असिसटैनट रजिस्ट्रार की श्रेणी के अधिकारी द्वारा

(झ) म० द० वि० वि० के कचहरी, कार्यकारिणी समिति या शैक्षणिक समिति के सदस्य द्वारा

(ञ) ऐसे कोई भी व्यक्ति जिन्हें ए० सी० के द्वारा इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया गया हो ।

7. एक विद्यार्थी, जिसने निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है, किन्तु परीक्षा में नहीं बैठता है, या परीक्षा में बैठने पर अनुत्तीर्ण हो गया है, को एक पूर्व विद्यार्थी (ex-student) के रूप में लगातार तीन वर्ष तक, बिना नवीन पाठ्यक्रम पढ़े, परीक्षा में बैठने की प्रत्येक अवसर पर नीचे धारा 8 में वर्णित फीस देने पर, अनुमति दी जा सकती है।

8. विद्यार्थी के द्वारा देय परीक्षा फीस की धनराशि निम्न होगी :

मान्यता प्राप्त कालेज का विद्यार्थी	सम्बद्ध संस्था के विद्यार्थी/प्राइवेट विद्यार्थी	
प्राज्ञ (भाग–१ और २)	प्रत्येक भाग के लिए	३०० रू०
विशारद (भाग–१ और २)	प्रत्येक भाग के लिए	३०० रू०
शास्त्री (भाग–१, २ और ३)	प्रत्येक भाग के लिए	३०० रू

9. परीक्षा शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम और परीक्षा की योजना(स्कीम) के अनुसार होगी । एक विद्यार्थी, जो परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहता है, या योग्य होने पर, परीक्षा में नहीं बैठ पाता है, विश्विद्यालय के द्वारा उस परीक्षा के नियमित विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा में पूर्व विद्यार्थी (ex-student) के रूप में बैठ सकता है, इस प्रावधान के साथ कि सितम्बर में होने वाली पूरक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम वही रहेगा जो पहिली बार वार्षिक परीक्षा में नियमित (regular) विद्यार्थियों के लिए लागू था ।

10. विशारद और शास्त्री के लिए परीक्षा का माध्यम संस्कृत और प्राज्ञ के लिए परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा ।

11. परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम अंक संख्या निम्न होगी ।

(अ) प्राज्ञ भाग–1, 2 और विशारद भाग 1 और 2	प्रत्येक प्रश्नपत्र में 33%
(ब) शास्त्री भाग 1, 2, 3	प्रत्येक प्रश्नपत्र में 33% और पूर्ण योग में 40% या प्रत्येक प्रश्नपत्र में 25% और पूर्णयोग में 50 %
(स) अतिरिक्त प्रश्नपत्र, यदि लिया गया है	प्रत्येक प्रश्नपत्र में 33%

12. एक विद्यार्थी जो केवल एक विषय/प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण हुआ है, और प्राज्ञ भाग 1, 2 विशारद भाग 1, 2 परीक्षा के दूसरे प्रश्नपत्रों में 33% से कम अंक प्राप्त नहीं किए हैं, शास्त्री भाग 1, 2, 3 परीक्षा के प्रश्नपत्रों के पूर्णयोग में 40% जिनमें वह उत्तीर्ण हुआ है, को उसी वर्ष के सितम्बर/अक्टूबर में होने वाली पूरक परीक्षा और अगली वार्षिक परीक्षा में उसी विषय/प्रश्नपत्र, में प्रत्येक अवसर पर वही फीस जितनी कि पूर्ण परीक्षा की है, देने पर बैठने की अनुमति दी जाएगी और यदि वह इनमें से किसी परीक्षा में उस विषय/पत्र में उत्तीर्ण हो जाता है, और यदि ऊपर धारा 11 में कहे गए पूर्ण योग के अंक प्राप्त कर लिए हैं तो वह परीक्षा उत्तीर्ण किया हुआ समझा जाएगा ।

इस प्रावधान के साथ कि शैक्षणिक परिषद् नियमित सेनाओं के सदस्य के सम्बन्ध में इस समय को बढ़ा सकती है जो कि इस समय के दौरान रक्षा के आवश्यकता के कारण अवसर का लाभ उठाने में असमर्थ रहा है ।

एक विद्यार्थी शास्त्री भाग १ या २ की परीक्षा के लिए जो कर्म्पाटमेन्ट के अर्न्तगत रखा गया है, का प्रावधानिक रूप से भाग २ या भाग ३ कक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती हैं । परन्तु उसे भाग ३ में सम्मिलित (ज्वाइन) होने की तब तक अनुमति नहीं होगा जब तक कि वह भाग १ परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता है। ऐसा विद्यार्थी एक साथ ही भाग १ और भाग २ या भाग २ और भाग ३ परीक्षा में बैठ सकता है । यदि इस अधिनियम के द्वारा आज्ञा दिए गए समय में भाग १/भाग २ परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, उसका भाग २/३ परीक्षा का परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा ।

एक विद्यार्थी जिसका प्राज्ञ भाग १/विशारद भाग १ परीक्षा में कम्पार्टमेंट है, को भाग २ की कक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जा सकती है और एक साथ भाग १ और भाग २ की परीक्षा में बैठ सकता है। यदि वह इस प्रयोजन के लिए समय के अन्दर भाग १ की परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहता है, तो उसका भाग २ का परीक्षा परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा।

14. उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रकार से श्रेणियों में वर्गीकृत किए जाएंगे ।

(अ) वे जो ६०% या उससे अधिक पूर्ण योग में प्राप्त करते हैं अतिरिक्त वैकल्पिक पत्र सहित — प्रथम श्रेणी

(ब) वे जो ५०% या उससे अधिक परन्तु ६०% से कम पूर्ण योग में प्राप्त करते है (अतिरिक्त वैकल्पिक पत्र सहित) — द्वितीय श्रेणी

स) वे जो ५०% से कम पूर्णयोग में प्राप्त करते हैं (अतिरिक्त वैकल्पिक पत्र सहित) — तृतीय श्रेणी

शास्त्री परीक्षा के सम्बन्ध में श्रेणी का निर्णय भाग १, २, ३ की परीक्षाओं में प्राप्त सम्मिलित अंको के आधार पर किया जाएगा। प्राज्ञ परीक्षा के सम्बन्ध में श्रेणी का निर्णय भाग १ और २ की परीक्षा में प्राप्त सम्मिलित अंको के आधार पर किया जाएगा ।

परीक्षा की समाप्ति के ६ हफ्ते बाद या उसके बाद जितनी जल्दी संभव हो, परीक्षा नियंत्रक परीक्षा परिणाम प्रकाशित करेगा । प्रत्येक उत्तीर्ण विद्यार्थी को धारा १४ के अर्न्तगत एक डिप्लोमा, उत्तीर्ण की हुई परीक्षा का नाम और श्रेणी जिसमें परीक्षा उत्तीर्ण की है, का नाम निर्देश करते हुए दिया जाएगा। एक विद्यार्थी जो शास्त्री परीक्षा का भाग I, II और III और प्राज्ञ परीक्षा का भाग I और II उत्तीर्ण करता है, को प्रत्येक भाग के लिए एक विस्तृत अंक तालिका (डी० एम० सी०) दी जाएगी। अतिरिक्त पत्र (पेपर) जिसे विद्यार्थी ने उत्तीर्ण कर लिया है (क्वालीफाई) का निर्देश उसके प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) में किया जाएगा।

परीक्षा की समाप्ति के ६ हफ्ते बाद या उसके बाद जितनी जल्दी संभव हो, परीक्षा नियंत्रक परीक्षा परिणाम प्रकाशित करेगा । प्रत्येक उत्तीर्ण विद्यार्थी को धारा १४ के अर्न्तगत एक डिप्लोमा, परीक्षा का नाम और श्रेणी जिसमें परीक्षा उत्तीर्ण की है, बताते हुए दिया जाएगा। एक विद्यार्थी जो शास्त्री परीक्षा का भाग१, २, ३ उत्तीर्ण कर लेता है को प्रत्येक भाग के लिए एक विस्तृत अंक तालिका दी जाएगी। प्राज्ञ भाग १ के लिए विस्तृत अंक तालिका दी जाएगी। हालांकि जन्मतिथि और उत्तीर्ण करने की श्रेणी (डिवीजन) प्राज्ञ भाग दो के प्रमाणपत्र में निर्देशित की जाएगी।

नोट :– प्राज्ञ भाग २ के प्रमाणपत्र में जन्मतिथि का निर्देश करने के लिए निम्नलिखित मानदण्ड अपनाए जाएंगे।

(अ) प्राज्ञ भाग २ के नियमित विद्यार्थियों के लिए सम्बद्ध संस्था के प्रधानाचार्य द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म में सत्यापित जन्मतिथि मान ली जाए। हालांकि प्रधानाचार्य निम्नलिखित कार्यप्रणाली अपनाएंगे –

(i) प्रधानाचार्य प्रत्येक विद्यार्थी के परीक्षा फार्म के साथ मूल में मिडिल स्कूल परीक्षा का सर्टिफिकेट या उसके समकक्ष परीक्षा का सर्टिफिकेट, जन्मतिथि के विश्वसनीय या प्रामाणिक प्रमाण के रूप में भेजेंगे।

(ब) प्राइवेट विद्यार्थी की समता के रूप में बैठने वाले विद्यार्थियों के सम्बन्ध में उसे (वह(पुरूष/स्त्री) विश्वविद्यालय को अपने परीक्षा फार्म के साथ अपनी जन्म तिथि का डोक्यूमेन्टरी प्रमाण निम्न रूप में देना होगा।

1. स्कूल छोड़ने का सर्टिफिकेट या मिडिल स्कूल परीक्षा का सर्टिफिकेट

2. म्यूनिसपिल कमेटी द्वारा व्यवस्थापित जन्म रजिस्टर में से उद्धरण/सिविल सर्जन के ऑफिस या गांव के चौकीदार के जन्म रजिस्टर में से, प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने शपथलिए गए माँ–बाप के प्रमाणपत्र (एफिडेविट) के साथ, कि उद्धरण में दी गई जन्म तिथि विद्यार्थी के जन्म से सम्बद्ध है, उद्धरण और शपथपत्र दोना मूल रूप में परीक्षा फार्म के साथ संलग्न किए जाएंगे।

3. बहुत ही असाधारण केसों में जब विद्यार्थी के माँ–बाप शपथपूर्वक घोषित करे कि विद्यार्थी के जन्म तिथि का कोई रिकार्ड (लेखा) नहीं है, निम्नलिखित प्रमाणपत्र उसकी (His/Her) उम्र के पक्ष में स्वीकार किए जा सकते हैं :–

(अ) मुख्य चिकित्सा अधिकारी या जिस जिले से विद्यार्थी सम्बन्धित है, उस जिले के सिविल सर्जन द्वारा विद्यार्थी की चिकित्सा (मेडिकल) जाँच के पश्चात् जारी किया गया प्रमाणपत्र जिसमें विद्यार्थी की संभावित उम्र बताते हुए।

(ब) माँ–बाप के द्वारा प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के समक्ष विद्यार्थी की जन्मतिथि और जन्म स्थान बताते हुए सही रूप से शपथ लिया गया प्रमाण पत्र (एफिडेविट), जिसमें यह भी घोषित किया गया हो कि स्थान के जन्म के पंजीकरण सूची में जन्म का कोई लेख नहीं है, तथा यह भी कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन के द्वारा उपर्युक्त जारी किया गया प्रमाणपत्र विद्यार्थी से ही सम्बद्ध है।

(स) एक्जीक्यूटिव अधिकारी (प्रशासनिक) या सम्बद्ध नगरपालिका समिति के सेक्रेटरी(सचिव) का प्रमाणपत्र यदि विद्यार्थी नगरपालिका के क्षेत्र में उत्पन्न हुआ हो या मुख्य चिकित्सा अधिकारी/जिले के सिविल सर्जन का, यदि विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र के स्थान पर उत्पन्न हुआ हो, कि जन्म लेखे की भली

प्रकार जाँच कर ली गई है और विद्यार्थी का जन्म, जन्म सूची में कभी लेखित नहीं किया गया है।

16. जो विद्यार्थी संस्कृत की हॉनर्स की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, उनको शास्त्री की आरियन्टल लिटरेरी टाइटल की उपाधि प्रदान की जाएगी ।

17. वे उन विद्यार्थियों जिन्होंने शास्त्री परीक्षा द्वितीय या तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण की है, को भाग १, २, और ३ परीक्षा के प्रत्येक भाग में एक या अधिक विषयों में (थ्योरी पत्र केवल) श्रेणी सुधारने के लिए पुनः परीक्षा में बैठने के लिए केवल एक ही बार बैठने की अनुमति दी जानी चाहिए। ऐसा विद्यार्थी वार्षिक शास्त्री परीक्षा अप्रैल/मई में आयोजित या पूरक परीक्षा सितम्बर में आयोजित को उत्तीर्ण करने के पश्चात् भाग १ और या भाग २ के लिए तत्काल ही अग्रिम पूरक या वार्षिक परीक्षा में जैसा भी केस हो, बैठ सकेगा और इसके बाद भाग २ और या भाग ३ के लिए अगली क्रमागत परीक्षा में बैठ सकेगा। एक विद्यार्थी को श्रेणी सुधारने के के लिए एक या अधिक विषयों/पत्रों में पुनः परीक्षा में बैठता है, पूरी परीक्षा की फीस देगा । जिन पत्रों में वह (लड़का/लड़की) श्रेणी सुधारने के लिए पुनः परीक्षा में बैठता है, का उच्चतर अंक प्राप्ति (स्कोर) की गणना अन्तिम परीक्षाफल में की जाएगी और वे उन पत्रों/विषयों के प्राप्त अंक जिनमें विद्यार्थी ने (लड़का/लड़की) सुधार का विकल्प नहीं लिया है, ऐसे ही आगे ले लिए जाएंगे। यदि विद्यार्थी की श्रेणी नहीं सुधरती है, तो उसका (लड़का/लड़की) परीक्षा परिणाम इस प्रकार घोषित किया जाएगा 'पूर्व परिणाम ही मान्य है (प्रीवियस रिजल्ट स्टैन्डस)

18. शास्त्री और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों के संयुक्त (अन्वित इन्टीग्रेटेड) स्वभाव के बावजूद, जो कि एक से अधिक शैक्षणिक वर्ष में अभिव्याप्त हैं । उस समय जब विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था, जो अधिनियम लागू था, केवल उसी शिक्षण वर्ष के दौरान या अन्त तक मान्य होगा और अधिनियम में कोई भी चीज विश्वविद्यालय को अधिनियम में संसोधन करने से नहीं रोक सकेगी और संसोधित अधिनियम, यदि कोई है, तो सभी विद्यार्थियों, चाहे पुराने या नये, सभी विद्यार्थियों पर लागू होगा ।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की पाठ्यविद्यानुसार

2002

प्राज्ञ (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम)

माध्यम संस्कृत अथवा हिन्दी

प्रथम खण्ड

1. प्रथम पत्र - संस्कृत साहित्य **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) गद्य – हितोपदेश–मित्रलाभ। पं० विष्णु शर्मा कृत (श्लोक सहित) 50 अंक

ख) पद्य – रघुवंश – द्वितीय सर्ग। महाकवि कालिदास–कृत। 50 अंक

निर्देश :-

क) हितोपदेश – मित्रलाभ।

(i) किन्हीं चार पद्यों में से दो पद्यों की सप्रसंग हिन्दी में व्याख्या। 25 अंक

(ii) किसी एक कहानी का हिन्दी में सार 10 अंक

(iii) किन्हीं दो गद्यांशों में से एक गद्य का हिन्दी में अनुवाद 15 अंक

ख) रघुवंश – द्वितीय सर्ग

(i) हिन्दी चार पद्यों में से दो की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या। 25 अंक

(ii) कालिदास के जीवन एवं उनकी कृतियों का परिचय विषयक एक प्रश्न। अथवा 25 अंक
पाठ्यांश से सम्बन्धित एक प्रश्न।

2. द्वितीय पत्र - व्याकरण एवं अनुवाद **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) लघु–सिद्धांतकौमुदी, निम्नलिखित प्रकरण
(1) संज्ञा (2) सन्धि (3) षड्लिंग (4) कारक। 80 अंक

ख) अनुवाद 20 अंक

निर्देश :-

क) लघु–सिद्धांत–कौमुदी :–

(i) संज्ञा प्रकरण में से स्वर–व्यंजनों के उच्चारण स्थान, प्रत्याहार तथा संज्ञा–सूत्र प्रष्टव्य हैं। 10 अंक

(ii) सन्धि :– 20 अंक

10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं।

(iii) षड्लिंग :– 20 अंक

अजन्त :– 10 प्रयोगों में से 5 प्रष्टव्य हैं।

(iv) हलन्त, प्रमुख शब्दों के 10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 15 अंक

(v) कारक – किन्हीं 10 प्रयोगों में से 5 प्रष्टव्य हैं। 15 अंक

ख) अनुवाद :–

(i) संस्कृत के पांच सरल वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद । 10 अंक

(ii) हिन्दी के पांच सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद । 10 अंक

3. तृतीय-पत्र - दर्शन **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) तर्क संग्रह (अन्नभट्ट–कृत) (प्रारम्भ से लेकर अनुमान खण्ड तक) 70 अंक

ख) भगवद्गीता – (केवल द्वितीय अध्याय) 30 अंक

निर्देश :-

क) तर्क–संग्रह :– 70 अंक

(i) किन्हीं तीन गद्यांशों में से दो की व्याख्या। 30 अंक

(ii) चार पंक्तियों में से केवल दो की व्याख्या। 20 अंक

(iii) किन्हीं चार में से दो लक्षणों की उदाहरण सहित व्याख्या। 20 अंक

ख) भगवद्गीता : (द्वितीय अध्याय)

(iv) किन्हीं चार पद्यों में से दो की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या। 30 अंक

4. चतुर्थ-पत्र - हिन्दी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) कहानी :– "कुत्ते की कहानी" (प्रेमचन्द) 25 अंक

ख) पद्य :– सुन्दर काण्ड (रामचरित मानस) प्रारम्भ से लेकर "प्रीति सहित सब भेंटे ....." दोहे तक। 40 अंक

ग) निबन्ध एवं पत्र–लेखन 35 अंक

निर्देश :-

क) (i) कहानी :– किन्ही दो गद्यांशों में से एक की व्याख्या। 10 अंक

(ii) कहानी का सार अथवा लेखक--परिचय। 15 अंक

ख) पद्य :–

(i) किन्हीं चार चौपाइयों या दोहों में से दो का सरलार्थ। 20 अंक

(ii) रामायण अथवा उसके लेखक के विषय में एक सामान्य प्रश्न। 20 अंक

ग) (i) निबन्ध–उत्सवों एवं ऋतुओं से सम्बन्धित ही प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

(ii) पत्र–लेखन केवल सम्बन्धियों से सम्बन्धित ही प्रष्टव्य हैं। 15 अंक

5. पंचम-पत्र - अंग्रेजी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

Text 'Let us learn English' Book-1 60 Marks

First half :

(Special series, N.C.E.R.T.) can be had from Arya Book Depot, 30 Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

Translation from English to Hindi and simple questions about the text will be asked.

Translation of Simple Hindi Sentences into English	20
Composition	20
Essay Writing	10
Letter Writing	10

6. षष्ठ-पत्र - सामान्य ज्ञान **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) इतिहास–भारत का प्राचीन इतिहास, रामायण काल, महाभारत काल, मौर्य काल एवं गुप्त काल भाग। 50 अंक

ख) भूगोल–भारत वर्ष का सामान्य भौगोलिक परिचय 50 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :–

(i) भारत का भूगोल – डा० चतुर्भुज मामोरिया
प्रकाशक :– साहित्य भवन, आगरा।

(ii) प्राचीन भारत का इतिहास – डा० विमल चन्द्र पाण्डेय
प्रकाशक – केदार नाथ, रामनाथ मेरठ।

(iii) भारतीय इतिहास का प्राचीन काल– एस०एस० सीकरी व ए०सी० अरोडा
प्रकाशक – प्रदीप पब्लिकेशन्स, जालन्धर।

क,ख (i) 8 प्रश्नों में से केवल 4 प्रश्न प्रष्टव्य हैं 80 अंक

(ii) दो टिप्पणियों में से एक प्रष्टव्य है। 20 अंक

प्राज्ञ द्वितीय खण्ड

प्रथम पत्र - संस्कृत साहित्य **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) गद्य – हितोपदेश–सुहृद्भेद 70 अंक
ख) नाटक – दूतवाक्यम् 30 अंक

निर्देश :-

क) गद्य–हितोपदेश सुहृद्भेद :–
(i) किन्हीं चार पद्यों में से दो पद्यों का सप्रसंग हिन्दी व्याख्या :– 30 अंक
(ii) किसी एक कहानी का हिन्दी में सार। 20 अंक
(iii) किन्हीं दो गद्यांशों में से एक गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद। 20 अंक

ख) नाटक – दूतवाक्यम् –
किन्हीं चार श्लोकों में से दो की हिन्दी व्याख्या :– 20 अंक
दो प्रसिद्ध पात्रों में से किसी एक का चरित्र–चित्रण :– 10 अंक

द्वितीय पत्र - व्याकरण एवं अनुवाद **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) लघु सिद्धांत कौमुदी :– 80 अंक
(1) तिङन्तभ्वादिगणरूप – (सूत्र–सहित) 30 अंक
(2) अन्य गणों की प्रमुख धातुओं के रूप (सूत्र सहित) 20 अंक
(3) समास–सामान्य परिचय (सूत्र–सहित) 10 अंक
(4) कृदन्त सामान्य परिचय। 10 अंक
(5) सूत्रों का हिन्दी में अर्थ (चार में से दो का) 10 अंक
ख) अनुवाद हिन्दी से संस्कृत में, संस्कृत से हिन्दी में। 10+10=20 अंक

निर्देश :-

क) 10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग करने होंगे।
(2), (3),(4), (5) से 10 प्रयोगों में से केवल 5 प्रयोग करने होंगे।
ख) 5 सरल हिन्दी के वाक्यों का संस्कृत में एवं 5 सरल संस्कृत के वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करना।

तृतीय पत्र - अलंकार **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

काव्य–दीपीका (लक्षण एवं उदाहरण)

निम्नलिखित अंश ही निर्धारित हैं।

प्रथम शिखा–	काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण।	10 अंक
द्वितीय शिखा–	वाक्य–स्वरूपम्, पद स्वरूपम्।	10 अंक
	अभिधा कथनम्, लक्षणा स्वरूपम्, लक्षणा–विभागः, व्यंजना स्वरूपम्।	10 अंक
तृतीय शिखा :	काव्य–भेदाः, ध्वनि, रसनिरूपणम् रसभेदाः, स्थयिभावाः, व्यभिचारिभावाः	15 अंक
चतुर्थ शिखा :	दृश्य श्रव्य भेद (काव्य–विभाग) दृश्य काव्य लक्षणम्, श्रव्य काव्य लक्षणम् (टीकायाम्)	15 अंक
षष्ठ शिखा :	गुण स्वरूपम्, गुण विभागः।	10 अंक
सप्तम् शिखा :	रीति स्वरूपम् तदभेदाश्च।	10 अंक
अष्टम् शिखा :	अनुप्रासः, यमकम् श्लेषः (शाब्दः) उपमा, रूपकम् उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, व्यतिरेकः, निदर्शनाः, दृष्टान्तः, तुल्ययोगिता, दीपकम्, सन्देहः, भ्रान्तिमान, अपहनुतिः, व्याजस्तुतिः, श्लेषः (आर्थः), काव्यलिंगम् विभावना, विशेषोक्तिः, विरोधः, कारणमाला।	20 अंक

निर्देश :– अष्टम शिखा : केवल 8 अलंकारों में से चार ही प्रष्टव्य हैं।

चतुर्थ पत्र - हिन्दी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) पद्य–स्वाति भाग–2	40 अंक
ख) गद्य–पराग भाग–2	40 अंक
ग) निबन्ध एवं पत्र–लेखन	20 अंक

निर्देश :-

क) स्वाति पद्य भाग-2 निम्नलिखित काव्य ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं।
- (i) कूकै लगी कोइलैः – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- (ii) रजनी–बाला :– रामकुमार वर्मा

ख) प्रेम और सान्दर्य
- (i) कुलकानि हियो तजि भाजति है :– रसखान
- (ii) विदा की समै सब कंठ लगावैं :– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- (iii) जो तुम आ जाते एक बार :–महादेवी वर्मा

ग) जीवन दर्शन :–
- (i) विजय रथ :– तुलसीदास

(ii) जो बीत गई सो बीत गई–हरिवंश राय बच्चन

घ) भक्ति

(i) तुलसीदास के दोहे

(ii) रहीम के दोहे

ङ) उत्साह और आत्म–विश्वास

(i) लोहे के पेड़ हरे होंगे :– रामधारी सिंह दिनकर

च) देशप्रेम और मानवता:–

(i) हमारा प्यारा भारतवर्ष :– जय शंकर प्रसाद

(ii) मातृभूमि :– मैथिलीशरण गुप्त

छ) विविध :–

(i) सरोजस्मृति – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

ख) गद्य पराग भाग-2 के निम्नलिखित गद्यकार ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं :–

क) (i) सियाराम शरण गुप्त – कोटर और कुटीर

(ii) कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर – मैं और मेरा देश

(iii) प्रेमचन्द – स्वामी विवेकानन्द

(iv) महादेवी वर्मा – गौरा

(v) कृष्णा सोवती – सिक्का बदल गया

(vi) हिमांशु जोशी – कुशीनरा तथागत के अन्तिम दिन

निर्देश :-

क) (i) किन्हीं चार पद्यों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी है। 20 अंक

(ii) दो कवियों में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय तथा उसकी काव्य–शैली पर टिप्पणी। 10 अंक

(iii) किन्हीं दो कविताओं में से किसी एक कविता का सार लेखन। 10 अंक

ख) (i) किन्हीं दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करनी है। 20 अंक

(ii) किन्हीं दो गद्यकारों में से एक के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालना। 10 अंक

(iii) किन्हीं दो लेखों में से एक का सार–लेखन। 10 अंक

ग) (i) उत्सवों, ऋतुओं से सम्बन्धित निबन्ध ही पूछे जायेंगे। 10 अंक
(ii) सम्बन्धियों से सम्बन्धित पत्र–लेखन ही प्रष्टव्य हैं। 10 अंक

पञ्चम पत्र - अंग्रेजी **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

a) Text–Let us learn English Book-I 60 Marks
Second Half (special series, N.C.E.R.T.)
can be had from Arya Book Depot, 30, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

b) Grammar 30 Marks
Parts of speech, use of articles and prepositions, parsing, Direct and Indirect speech, Active and Passive Voice.

c) Essay Writing 10 Marks
Note : Part (B) and (C) will be based on the Text book prescribed for Part (A).

षष्ठ पत्र - सामान्य ज्ञान **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) इतिहास (भारतवर्ष का संक्षिप्त इतिहास) अंक 40
सन् 600 ई० से 1500 ई० (A.D.) तक।

ख) सामान्य विज्ञान। अंक 60
विज्ञान की क्रमिक शिक्षा भाग–3
प्रकाशक–कस्तूरी प्रकाशन, 46, रैगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

निर्देश :-

10 सामान्य प्रश्नों में से 5 प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 20×5=100

विशारद
(द्विवर्षीय पाठ्यक्रम)
प्रथम खण्ड

प्रथम पत्र - संस्कृत साहित्य **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) "स्वप्नवासवदत्तम् 60 अंक

ख) दयानन्ददिग्विजयम (मेघाव्रताचार्य) प्रथम दो सर्ग 40 अंक

अथवा

अमरचरितम् (रामेश्वर दयाल शास्त्री) पंचम सर्ग

निर्देश :-

क) (i) किन्हीं चार पद्यों में से दो की संस्कृत–व्याख्या। 25 अंक

(ii) पात्र–चरित्र–चित्रण :– 15 अंक
किन्हीं दो पात्रों में से एक का चरित्र–चित्रण

(iii) किन्हीं चार सूक्तियों में से दो का सरल संस्कृत में अर्थ। 10 अंक

(iv) नाटककार का परिचय 10 अंक

ख) (i) उपर्युक्त दोनों महाकाव्यों में से किसी एक के चार पद्यों में से किन्हीं दो की सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या। 20 अंक

(ii) कवि–परिचय अथवा काव्य–शैली पर प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

द्वितीय पत्र - व्याकरण एवं अनुवाद **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) मध्य सिद्धान्त कौमुदी :–

निर्देश :-

(i) संज्ञा–प्रकरण 5 अंक

(ii) सन्धि 20 अंक

(iii) षड् लिंग :– अजन्त–20 अंक, हलन्त–10 अंक 30 अंक

(iv) कारक 15 अंक

(v) समास 10 अंक

ख) अनुवाद 20 अंक

निर्देश :-

क) (i) स्वरों एवं व्यंजनों का उच्चारण स्थान एवं दो संज्ञा–सूत्रों में से एक सूत्र–प्रष्टव्य हैं। 5 अंक

(ii) सन्धियों के 8 प्रयोगों में से 4 प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

(iii) अजन्त एवं हलन्त के 12 प्रयोगों में से केवल 6 प्रयोग ही प्रष्टव्य हैं। 30 अंक

(iv) 8 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 15 अंक

(v) केवल 4 समासों में से 2 समास ही प्रष्टव्य हैं। 10 अंक

ख) (i) हिन्दी के पांच सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 15 अंक

(ii) संस्कृत के दो सरल वाक्यों का हिन्दी–अनुवाद। 5 अंक

तृतीय पत्र - हिन्दी   पूर्णांक **100**

समय **3** घण्टे

क) (i) गद्य–पल्लव (भाग-1)   35 अंक
प्रकाशन :– हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

(ii) पद्यनीहारिका (भाग-1)   35 अंक
प्रकाशन :– हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

(iii) निबन्ध–लेखन।   20 अंक

(iv) पत्र–लेखन :–   10 अंक

नोट :– पल्लव (भाग-1) से निम्नलिखित रचनाएं ही पाठ्यक्रम में निर्धारित की गई हैं :–

(i) "एक छोटी खबर : एक बड़ा संदर्भ"
(ii) "शरत् के साथ बिताया हुआ कुछ समय"
(iii) "हिमालय की झलक"
(iv) "नशा"
(v) "दो कलाकार"
(vi) "चीफ की दावत"
(vii) "उसकी माँ"

नोट :– निहारिका (भाग-1)
निम्नलिखित कवियों की कविताएं ही प्रष्टव्य हैं।

(i) "सांझ के बादल" – धर्मवीर भारती
(ii) "स्वतनत्रता का दीपक" – गोपाल सिंह "नेपाली"
(iii) "साधो देखे जग बौराना" – कबीर दास
(iv) "ऐसी मूढ़ता या मन की" – तुलसीदास
(v) "मुक्ति यात्रा" – लीलाधर जूगड़ी
(vi) "हिरोशिमा" – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन "अज्ञेय"
(vii) मुरली तऊ गोपालहिं भवति" – सूरदास
(viii) "मोरपंखा" – मतिराम
(ix) "झलकै अति सुन्दर आनन गौर" – घनानंद
(x) "तुम गा दो मेरा गान अमर हो जाए" – हरिवंश राय बच्चन
(xi) "चांद और कवि" – रामधारी सिंह "दिनकर"
(xii) "थके हुए कलाकार से" – धर्मवीर भारती

निर्देश :-

क) (i) किन्हीं चार गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या। 15 अंक

(ii) किन्हीं दो पाठों में से एक पाठ का सार। 10 अंक

(iii) किसी एक लेख की भाषा–शैली पर टिप्पणी। 10 अंक

ख) (i) किन्हीं दो पद्यांशों में से एक की संप्रसंग व्याख्या। 10 अंक

(ii) किन्हीं दो कविताओं में से एक का सार। 15 अंक

(iii) किन्हीं दो कवियों में से एक का कृतित्व एवं व्यक्तित्व 10 अंक

(iv) निबन्ध–लेखन : धार्मिक–उत्सवों, ऋतुओं से सम्बन्धित 20 अंक

(v) पत्र–लेखन :– कार्यालय सम्बन्धी 10 अंक

चतुर्थ पत्र - अंग्रेजी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

1. Prescribed Text 60 Marks
2. Grammar -Parsing of Nouns, Pronouns, Adjectives and Verbs, All Forms of tenses 15 Marks
3. Composition - Framing of sentences of simple topics. 15 Marks
4. Spelling corrections 10 Marks

Prescribed Text

Stories , Play and Tales of Adventures (English Supplementary Reader published by National Council of Educational Researchand Training, New Delhi - Prescribed forXI class of plus two system of Haryana 1987).

Note : Teachers should emphasis on the Practical Knowledge of English and translation from Hindi to English and vice-versa.

पंचम पत्र - इतिहास तथा भारतीय संस्कृति **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

(आर्यों से लेकर लोधी वंश तक)

निर्देश :–

(i) किन्हीं 8 प्रश्नों में से 4 प्रश्नों का विस्तृत विवेचन करना। 80 अंक

(ii) चार टिप्पणियों में से दो टिप्पणियों का उत्तर देना। 20 अंक

विशारद
(द्वितीय खण्ड)

प्रथम पत्र - काव्य शास्त्र एवं छन्द-शास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) भाग :– "साहित्य–दर्पण" (विश्नवाथकृत) 70 अंक

(i) प्रथम, द्वितीय परिच्छेद एवं तृतीय परिच्छेद की 29 वीं कारिका तक। 30 अंक

(ii) 8-9 परिच्छेद 20 अंक

(iii) दशम परिच्छेद के केवल निम्नलिखित अलंकारों के (लक्षणोदाहरण) पूछे जायेंगे। (शास्त्रार्थ वर्जित) 20 अंक

यमक, अनुप्रास, शब्द श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा (वस्तु, हेतु, फल) अपह्नुति, दीपक, तुल्ययोगिता, दृष्टान्त, निदर्शना, व्यतिरेक, समासोक्ति, अप्रस्तुत प्रशंसा, विरोधाभास, विषम, विभावना, विशेषोक्ति, काव्यलिग, अर्थान्तरन्यास, तद्गुण, परिकर, व्यजास्तुति, एकावली एवं उल्लेख।

ख) वृत रत्नाकर 30 अंक

निम्नलिखित छन्द प्रष्टव्य हैं :–

विद्युन्माला, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रावज्रा, उपजाति, दोधक, शालिनी, रथोद्धता, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, तोटक, मालती, मालिनी, भुजंगप्रयात, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, सृग्धरा।

निर्देश :-

क) भाग – साहित्य–दर्पण।

(i) उपर्युक्त तीन परिच्छेदों में से चार सामान्य प्रश्नों में से केवल दो प्रश्न पूछे जायेंगे।

(ii) 8-9 परिच्छेदों में से केवल दो सामान्य प्रश्नों में से एक प्रश्न पूछा जायेगा।

(iii) दशम परिच्छेद के आठ अलंकारों में से चार अलंकार पूछे जायेंगे।

ख) भाग :– वृत्तरत्नाकर के छः छन्दों में से तीन के लक्षणोदाहरण प्रष्टव्य हैं।

द्वितीय पत्र - व्याकरण एवं अनुवाद **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

क) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त दशगण) 60 अंक

ख) काशिका–प्रथम अध्याय (प्रथमपाठ) 15 अंक

ग) अनुवाद 25 अंक

निर्देश :-

क) (i) भ्वादिगण के 10 प्रयोगो में से पांच प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 25 अंक

(ii) अदादिगण से चुरादिगण पर्यन्त के 10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 25 अंक

(iii) सम्पूर्ण तिड़न्त के 6 सूत्रों में से 3 सूत्र ही प्रष्टव्य हैं। 10 अंक

ख) (i) काशिका के 6 सूत्रों में से केवल 3 सूत्रों की लक्षणोदाहरण सहित व्याख्या अपेक्षित है। 15 अंक

ग) अनुवाद :–

(i) केवल 10 हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 15 अंक

(ii) केवल 5 संस्कृत के लघुवाक्यों का हिन्दी में अनुवाद। 10 अंक

तृतीय पत्र - हिन्दी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) गद्य पल्लव भाग-2 35 अंक

ख) पद्य नीहारिका भाग-2 35 अंक

ग) निबन्ध–लेखन 20 अंक

घ) पत्र–लेखन 10 अंक

निम्नलिखित गद्यकारों के लेख प्रष्टव्य हैं :–

"अद्‌भुत अपूर्व स्वप्न" – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र। मैं कौन – जैनेन्द्र कुमार।

"विजयी के आंसू" – रामधारी सिंह दिनकर।

"गुण्डा" – जय शंकर प्रसाद। "जीप पर सवार इल्लियां" – शरद जोशी।

"भारत कोकिला" – सच्चिदानन्द हीरानन्द।

"नदी बहती रहे" – भगवती शंकर सिंह।

ख) निम्नलिखित काव्यकारों के काव्य प्रष्टव्य है :–

"सोनजुही" – सुमित्रानन्दन पंत। "जीवन के पथ में" :– जय शंकर।

"बादल राग"–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला। "धूप का टुकड़ा–सुमित्रानंदन पंत।

"सहज मिलै अविनाशी"–कबीर दास। "तुम्हारी भक्ति हमारे प्रान"–सूरदास।

"क्या पूजा क्या अर्चन रे"–महादेवी वर्मा। "जाग बेसुध जाग"–महादेवी वर्मा।

"मेरा देश बड़ा गर्वीला"–गोपाल सिंह नेपाली। "नहुष का पतन"–मैथिलीशरण गुप्त।

निर्देश :-

(i) पल्लव भाग-2 :– किन्हीं दो गद्यांशों में से एक की सप्रसंग व्याख्या। 10 अंक

(ii) दो लेखों में से एक लेख का सारांश। कम से कम दो पृष्ठों में प्रष्टव्य है। 15 अंक

(iii) किन्हीं दो गद्यकारों में से एक का कृतित्व अथवा व्यक्तित्व प्रष्टव्य है। 10 अंक

नीहारिका भाग-2

(i) किन्हीं दो पद्यांशों में से एक की सप्रसंग व्याख्या। 10 अंक

(ii) किन्हीं दो कविताओं में से एक का सार। 15 अंक

(iii) किन्हीं दो कवियों में से एक का कृतित्व एवं व्यक्तित्व। 10 अंक

चतुर्थ पत्र - अंग्रेजी **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. Prescribed Text 60 Marks
2. Grammar - Parsing of Nouns, Pronouns, Adjectives and Verbs, All forms of tenses. 15 Marks
3. Composition - Framing sentences on simple topics. 15 Marks
4. Spelling Corrections. 10 Marks

Text Book prescribed :-

The People (English Reader) Published by NCERT, New Delhi.

Note : Teacher should emphasis on the Practical Knowledge of English and translation from Hindi to English and vice-versa.

पंचम पत्र - इतिहास तथा भारतीय संस्कृति **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

(मुगल राज्य के प्रारंभ से स्वतन्त्रता प्राप्ति तक)

निर्देश :-

(i) 8 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत करना है। 80 अंक

(ii) 4 टिप्पणियों में से किन्ही दो का उत्तर देना है। 20 अंक

शास्त्री परीक्षा

(त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)

सूचना :—1. विकल्प कम से कम पचास प्रतिशत अवश्य होना चाहिये।

2. विशिष्ट शास्त्र परिशीलन के लिए जो विषय प्रथम खण्ड में चुना जाएगा वही विषय अन्तिम खण्ड तक पढ़ना होगा।

(प्रथम खण्ड)

प्रथम पत्र - साहित्य — **पूर्णांक 100**, **समय 3 घण्टे**

1. नैषधीय चरितम् – प्रथम दो सर्ग। — 60 अंक
2. मेघदूतम् (सम्पूर्ण) — 40 अंक

निर्देश :-

1. "नैषधीय चरितम्" के 6 श्लोकों में से किन्हीं 3 की सप्रसंग व्याख्या। — 36 अंक
2. कवि का कृतित्व एवं व्यक्तित्व। — 12 अंक
3. किसी एक सर्ग का सार। — 12 अंक
4. मेघदूतम् के चार श्लोकों में से किन्हीं दो की व्याख्या। — 25 अंक
5. चार सूक्तियों में से दो की सप्रसंग व्याख्या। — 15 अंक

द्वितीय पत्र - व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद — **पूर्णांक 100**, **समय 3 घण्टे**

1. सिद्धान्त कौमुदी – दसगण। — 60 अंक
2. निबन्ध। — 20 अंक
3. अनुवाद--हिन्दी से संस्कृत में। — 15 अंक
4. किसी एक सरल अपठित संस्कृत पद्य का हिन्दी अनुवाद। — 5 अंक

निर्देश :-

क) भ्वादिगण के किन्हीं 10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं। — 5×5=25 अंक

ख) अदादिगण से चुरादिगण पर्यन्त के 10 प्रयोगों में से 5 प्रयोग प्रष्टव्य हैं। — 5×5=25 अंक

ग) सूत्रार्थ और उदाहरण। — 10 अंक

घ) निबन्ध :– वेद, साहित्य, संस्कृति भाषा, भारतीय संस्कृति तथा किसी महापुरुष से सम्बन्धित कोई एक निबन्ध। — 20 अंक

तृतीय पत्र - विशिष्ट शास्त्र परिशीलन **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) काव्य शास्त्र – मम्मट का काव्यप्रकाश (केवल 8, 9, 10 उल्लास)

निर्देश :-

अ) अष्टम–उल्लास :–

(i) किन्हीं दो कारिकाओं में से एक कारिका की केवल व्याख्या अपेक्षित है। 15 अंक

(ii) किन्हीं दो सामान्य प्रश्नों में से एक प्रश्न का विवेचन। 15 अंक

ब) (भाग–ख) 9, 10 उल्लास :– 70 अंक

(i) किन्हीं चार कारिकाओं में से दो कारिकाओं की व्याख्या। 22 अंक

(ii) किन्हीं 6 अलंकारों में से 3 अलंकार लक्षणोदाहरण (शास्त्रार्थ दर्जित) पूछे जायेंगे। 48 अंक

स) व्याकरण–शास्त्र पातन्जल (महाभाष्य) 1, 2, 3 आन्हिक पर्यन्त। 100 अंक

निर्देश :–प्रत्येक आन्हिनक में से 3 प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल 9 प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

ग) दर्शन–शास्त्र :– 100 अंक

न्याय सिद्धान्त मुक्तावली का प्रत्यक्ष व अनुमान खण्ड।

निर्देश :– विवेचनात्मक प्रश्न। 70 अंक

(i) आठ प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं।

(ii) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या प्रष्टव्य है। 30 अंक

घ) धर्म–शास्त्र :– याज्ञवल्वयस्मृति मिताक्षरा टीका–सहित सम्पूर्ण 100 अंक

निर्देश :– आठ विवेचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 70 अंक

आठ पद्यों में से चार पद्यों में से चार पद्यों की व्याख्या:– 30 अंक

ङ) वैदिक वाङ्मय :– 100 अंक

अ) शुक्लयजुर्वेद – माध्यन्दिनी–संहिता निम्नलिखित अध्याय 1, 32, 33, 50 (उव्वट, महीधर तथा स्वामीदयानन्द के भाव्य सहित)। 50 अंक

ब) निरुक्त–प्रथम, द्वितीय अध्याय 30 अंक

स) प्रश्नोपनिषद् 20 अंक

निर्देश :-

अ) 1. आठ मन्त्रों में से किन्हीं चार मन्त्रों की व्याख्या। 20 अंक

2. चार सामान्य प्रश्नों में से किन्हीं दो की समीक्षा करना। 20 अंक

3. किन्हीं दो टिप्पणियों में से एक प्रष्टव्य। 10 अंक

ब) 1. दो सामान्य प्रश्नों में से एक प्रष्टव्य। 15 अंक

2. दो व्याख्याओं में से एक व्याख्या प्रष्टव्य। 15 अंक

स) 1. चार मंत्रों में से दो की व्याख्या। 10 अंक

2. दो सामान्य प्रश्नों में से एक प्रष्टव्य। 10 अंक

चतुर्थ पत्र - हिन्दी **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) पद्य पराग

प्रकाशक – कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पब्लिकेशन ब्यूरो 20 अंक

टिप्पणी – अधोलिखित कविताएँ ही निर्धारित की गई हैं।

(i) मैथिलीशरण गुप्त – हमारे पूर्वज, पंचवटी।

(ii) जयशंकर प्रसाद – अरूण यह मधुमय देश हमारा, श्रद्धा–वर्णन।

(iii) सुमित्रानन्दन पंत – भारत माता, नई नींव।

(iv) रामधारी सिंह दिनकर – परशुराम की प्रतिज्ञा से जनतंत्र का जन्म।

(v) धर्मवीर भारती – गुलाम बनाने वाले विप्रलब्ध।

(vi) भवानी प्रसाद मिश्र – हाय रे चैत में।

(vii) शिवमंगल सिंह सुमन – चल रही उसकी कुदाली।

ख) गद्य–गन्धा :– 30 अंक

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित गद्य ही निर्धारित हैं :–

(i) घीसा।

(ii) मित्रता।

(iii) फूल तब पात।

(iv) शहादत की जिन्दगी में तूफान।

(v) भारत की सांस्कृतिक–एकता।

ग) व्यावहारिक व्याकरण एवं निबन्ध 50 अंक

(i) मुहावरे, लोकोक्तियां, कारक, पर्यायवाची शब्द एवं समास 30 अंक

(ii) निबन्ध–वर्णात्मक एवं समीक्षात्मक (काव्य सम्बधी) 20 अंक

निर्देश : 1. पद्य–पराग के चार पद्यों में से दो की सप्रसंग व्याख्या। 20 अंक

2. किन्हीं चार गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या। 20 अंक

3. गद्य–लेखकों की कृतित्व अथवा व्यक्तित्व। 10 अंक

नोट :–व्याकरण सम्बन्धी प्रश्न पाठ्यक्रम की पुस्तकों से प्रष्टव्य है।

पंचम पत्र - अंग्रेजी | Shastri Part-I | पूर्णांक 100 समय 3 घण्टे

I. Prescribed Book "Godan" by Prem Chand — 50 marks
Translated, abridged and edited by Dr. Dinesh Kumar & Mr. M.L. Madan.(Vikas Publishing House (P) Ltd., Delhi.

II. English Grammar and Composition. — 50 marks

Guidelines :-

I. A. Answer the Questions from the novel (Any 5 out of 8) — 15 marks
B. Use the difficult words from the novel in your own sentences. — 10 marks
C. Character sketch of any one out of the two — 15 marks
D. Idioms and phrases from the novel — 10 marks

II. A. Fill in the blanks with prepositions — 05 marks
B. Fill in the blanks with relative pronoun — 10 marks
C. Correction of sentences — 05 marks
D. Fill in the blanks with correct form of verbs given in brackets. — 05 marks
E. Paragraph (15 sentences) — 15 marks
OR
Letter writing — 10 marks
F. Translation from Hindi to English : (10 simple sentences) — 10 marks

षष्ठ पत्र - आधुनिक विषय

1. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति।
2. अर्थशास्त्र।
3. समाजशास्त्र।
4. राजनीति शास्त्र।

विशेष :– *उक्त विषयों में से कोई एक विषय शास्त्री परीक्षा के दोनों खण्डों में छात्रों को लेना होगा। प्रथम खण्ड में लिया हुआ विषय ही द्वितीय खण्ड में लेना होगा*

पाठ्यक्रम

1. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

(i) भारत वर्ष का इतिहास एवं संस्कृति
(आदिकाल से सन् 1000 ई० तक)

निर्देश :-

1. इतिहास सम्बन्ध प्रश्न 60 अंक के तथा संस्कृति सम्बन्धी प्रश्न 40 अंक के पूछे जायेंगे।
2. इतिहास एवं संस्कृति सम्बन्धी आठ प्रश्नों में से चार प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
3. चार टिप्पणियों में से दो प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. आर०एस० त्रिपाठी–"प्राचीन भारत का इतिहास"
   प्रकाशक – मोतीलाल बनारसी दास, बनारस, 1970
2. राजबली पाण्डेय –"प्राचीन भारत"
   प्रकाशक – पं० नन्द किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी, 1976-77
3. डा० रमेशचन्द्र मजूमदार – "प्राचीन भारत"
   प्रकाशक – मोतीलाल बनारसी दास, 1973
4. "भारत का बृहत् इतिहास" प्रथम भाग–मजूमदार, राय चौधरी तथा दत्त (प्राचीन भारत)।
5. "भारत का बृहत् इतिहास" द्वितीय भाग–मजूमदार, राय चौधरी तथा दत्त (मध्यकालीन भारत)।
   प्रकाशक – मैकमिलन एण्ड कम्पनी, 1971
6. "प्राचीन भारतीय संस्कृति" लूणिया
   प्रकाशक – लक्ष्मीनाराण अग्रवाल, आगरा–3, 1977

2. अर्थशास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. अर्थशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, महत्त्व तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध।
2. उपभोग एवं आवश्यकताएं, घटती सीमान्त उपयोगिता/तुष्टिगुण का नियम, समसीमान्त उपयोगिता/तुष्टिगुण का नियम।
3. मांग तथा मांग का नियम, मूल्य सापेक्षता।

4. उत्पादन, उत्पादन के साधन, भूमि, श्रम, पूंजी तथा उद्यमी।
5. उत्पादन के नियम।
6. विनियम तथा बाजार।
7. उत्पादन लागत।
8. मुद्रा, साख एवं बैंक।
9. वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त।
10. व्यावसायिक संगठन।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ सामान्य प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. अर्थशास्त्र के सिद्धांत–लेखक स्ट्रीनियर एण्ड हेग (हिन्दी अनुवाद)।
2. अर्थशास्त्र पी०एन० सेम्युल्सन (हिन्दी अनुवाद)।
3. प्री० यूनिवर्सिटी इक्नोमिक्स (हिन्दी) टी०आर०जैन, टी०आर० बैर, ओ० पी०-खन्ना, वीर सेन।

3. समाजशास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

1. समाजशास्त्र की परिभाषा, विषयवस्तु, क्षेत्र तथा अन्य सामाजिक शास्त्रों (दर्शन, इतिहास, मनोविज्ञान तथा राजनीति शास्त्र) से सम्बन्ध।
2. समाज तथा उसके प्रकार।
3. समुदाय और समाज, समिति और समाज, ग्रामीण तथा नागरिक समुदाय।
4. सामाजीकरण।
5. सामाजिक समूह।
6. व्यक्तित्व वंशानुक्रम, भौगोलिक पर्यावरण तथा संस्कृत का व्यक्तित्व पर प्रभाव।
7. संस्थायें :– राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि।
8. जाति।
9. परिवार–उत्पत्ति, प्रकार, कार्य तथा महत्त्व।

प्रस्तावित पुस्तकें :-

आधारभूत समाजशास्त्रीय अवधारणाएं – एस० एस० शर्मा।
समाजशास्त्र के मूल सिद्धान्त – विद्याभूषण सचदेव।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ सामान्य प्रश्नों में से 4 प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

4. राजनीतिशास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

1. नागरिक शास्त्र का अर्थ, क्षेत्र, उपयोगिता तथा अन्य समाज शास्त्र से सम्बन्ध।
2. व्यक्ति और समाज।
3. परिवार।
4. नागरिक और नागरिकता : नागरिक के अधिकार तथा कर्त्तव्य।
5. राज्य की परिभाषा और उद्देश्य तथा कार्य।
6. राज्य की उत्पत्ति तथा वर्गीकरण।
7. सरकार के रूप तथा रंग।
8. शक्तियों और अधिकारों का पृथक्करण।
9. प्रजातन्त्र तथा तानाशाही।
10. चुनाव तथा चुनाव प्रणाली।
11. राजनैतिक दल।
12. जनमत।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ सामान्य प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :–

1. भारतीय संविधान तथा प्रशासन – एस०एस० नन्दा, नीलम पब्लिशर्ज।
2. नागरिक शास्त्र के सिद्धांत तथा भारतीय संविधान, एम०एम० शर्मा।

शास्त्री

द्वितीय खण्ड

प्रथम पत्र - साहित्य **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) उत्तररामचरितम् – भवभूतिः। 35 अंक

ख) वेणीसंहार – भट्टनारायणः। 25 अंक

ग) संस्कृत–साहित्य का इतिहास। 40 अंक

निम्नलिखित साहित्यकार :–

बाल्मीकि, व्यास, अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्री हर्ष, भास, भवभूति, विशाखादत्त, शूद्रक, सुबन्धु, बाण, दण्डी, अम्बिादत्त व्यास।

निर्देश :-

क) (i) चार श्लोकों में से दो की संस्कृत व्याख्या। 12 अंक

(ii) दो गद्यांशों में से एक की संस्कृत व्याख्या। 5 अंक

(iii) प्रमुख पात्रों में से एक का चरित्र चित्रण। 8 अंक

(iv) भवभूति की नाट्य–कला के बारे में अथवा भवभूति से सम्बन्धित प्रश्न। 10 अंक

ख) (i) वेणीसंहार के दो पद्यों में से एक पद्य की संस्कृत में व्याख्या। 15 अंक

(ii) नाटककार की नाट्य–कला के बारे में अथवा दो पात्रों में से एक का चरित्र–चित्रण। 10 अंक

ग) (i) किन्हीं चार सामान्य प्रश्नों में से दो प्रष्टव्य हैं। 30 अंक

(ii) किन्हीं दो टिप्पणियों में से एक प्रष्टव्य है। 10 अंक

द्वितीय पत्र - व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) सिद्धांत–कौमुदी

(i) प्रक्रिया (णिच्, सन्, यङ्, आत्मनेपद, परस्मैपद) 25 अंक

(ii) कृदन्त (पूर्ण एवं उत्तर) 35 अंक

(iii) निबन्ध। 20 अंक

(iv) अनुवाद। 20 अंक

निर्देशः-

क) (i) उपर्युक्त पांच प्रक्रियाओं के आठ प्रयोगों में से चार प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 4×3=12 अंक

(ii) पूर्व–कृदन्त के बारह प्रयोगों में से छः प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 6×3=18 अंक

(iii) उत्तर–कृदन्त के बारह प्रयोगों में से छः प्रयोग प्रष्टव्य हैं। 6×3=18 अंक

(iv) निर्धारित विषय के छः में से तीन सूत्रों की व्याख्या। 12 अंक

ख) निबन्ध :– वेद, साहित्य, संस्कृति भाषा, भारतीय संस्कृति तथा किसी महापुरुष से सम्बन्धित कोई एक निबन्ध। 20 अंक

ग) (i) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद। 15 अंक

(ii) किसी एक संस्कृत पद्य का हिन्दी में अनुवाद। 5 अंक

तृतीय पत्र - विशिष्ट शास्त्र परिशीलन **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

नोट :– निम्नलिखित में से प्रथम खण्ड में पठित किसी एक विषय का अध्ययन ही किया जा सकता है।

क) काव्यशास्त्र – काव्य प्रकाश (मम्मट कृत) एक से सात उल्लास पर्यन्त।

निर्देश :-

(i) किन्हीं आठ सामान्य प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 80 अंक

(ii) किन्हीं चार कारिकाओं में से दो कारिकाएं प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

ख) व्याकरण शास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

पातन्जल–महाभाष्य चतुर्थ से षष्ठ आहनिक पर्यन्त।

निर्देश :-

(i) प्रत्येक आह्निक से तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। समस्त नौ प्रश्नों में से पांच प्रश्न करने होंगे। 100 अंक

ग) दर्शन शास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

(i) पातन्जल योगदर्शन – भाजवृन्ति 40 अंक

(ii) सांख्यतत्व कौमुदी (वाचस्पति मिश्र कृत) 60 अंक

निर्देश :-

(i) पातन्जल योगदर्शन के किन्हीं चार सामान्य प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 40 अंक

(ii) सांख्यतत्व कौमुदी के सामान्य छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। 60 अंक

घ) धर्मशास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

1. मनुस्मृति सम्पूर्ण

निर्देश :-

1. अ) किन्हीं समान्य छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न विविध नियम उपनियमों से सम्बन्धित विवेचनात्मक ही पूछे जायें। 60 अंक

ब) किन्हीं चार विषयों की टिप्पणियों में से दो टिप्पणियां पूछी जाएं। 20 अंक

स) स्मृति के आठ श्लोकों में से चार श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या प्रष्टव्य है। 20 अंक

ङ) **वैदिक-वाङ्मय** **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

1. सामवेद–पूर्वाचिम – प्रथम तीन दशति। 20 अंक
2. अर्थवेद–काण्ड 1, 12, 14 60 अंक
3. शतपथ ब्राह्माण काण्ड–II अध्याय 5वां ब्राह्मण। 20 अंक

निर्देश :-

अ) उपर्युक्त तीनों ग्रंथों के आठ सामान्य प्रश्नों में से चार पूछे जायेंगे। 80 अंक

ब) चार विषयों की टिप्पणियों में से दो टिप्पणियां प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

चतुर्थ पत्र - विशिष्ट शास्त्र का इतिहास

पूर्णांक 100

समय 3 घण्टे

निम्नलिखित में से प्रथम व द्वितीय खण्डों में एक विशिष्ट शास्त्र का इतिहास :

(क) काव्य शास्त्र पूर्णांक 100

समय 3 घण्टे

संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास

निर्देश :–

1. काव्य शास्त्र के किन्हीं आठ समीक्षकों में से किन्हीं चार के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विवेचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य हैं । 80 अंक
2. लेखको की चार पुस्तकों में से किन्हीं दो पुस्तकों की टिप्पणियां प्रष्टव्य हैं । 20 अंक

ख) व्याकरण शास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास।

निर्देश :-

1. व्याकरण शास्त्र के आठ लेखकों में से चार लेखकों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विवेचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 80 अंक
2. लेखकों के चार ग्रन्थों में से किन्हीं दो ग्रन्थों की टिप्पणियां प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

ग) दर्शन शास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास

1. दर्शन शास्त्र के आठ विद्वानों में से चार विद्वानों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विवेचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 80 अंक
2. विद्वान् लेखकों के सुप्रसिद्ध ग्रन्थों में से दो ग्रन्थों पर टिप्पणियां प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

घ) धर्मशास्त्र का इतिहास **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. धर्म शास्त्र के आठ लेखकों में से चार लेखकों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विवेचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 80 अंक
2. लेखकों के सुप्रसिद्ध चार ग्रन्थों में से दो ग्रन्थों पर टिप्पणियां प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

ङ) वैदिक-वाङ्मय (वैदिक वाङ्मय का इतिहास) **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. वैदिक वाङ्मय के आठ विवेचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 80 अंक
2. वैदिक वाङ्मय के चार सुप्रसिद्ध ग्रन्थों में से दो ग्रन्थ प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

SHASTRI PART-II

पंचम पत्र - अंग्रेजी **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

Book–Facts of Life (Six chapters in the syllabus)

(i) Our own Civilization.
(ii) What is Culture ?
(iii) A Visit to the Moon.
(iv) Bhagwan Shri Jambheshwarji Maharaj.
(v) B.R. Ambedkar.
(vi) On Saying Please.

Q.No. 1. Question given at the end of the chapters will be asked. 15 Marks

Q.No. 2	Use the difficult words from the text-book.	10 Marks
Q.No. 3	Idioms and Phrases from the text-book.	10 Marks
Q.No. 4	Comprehensive passage from the text-book.	15 Marks
	Grammar and Composition	
Q.No. 5	Fill in the blanks with suitable preposition and relative pronouns.	15 Marks
Q.No. 6	Correct the following :-	5 Marks
Q.No. 7	Fill in the blanks with correct form of the verbs given in brackets.	5 Marks
Q.No. 8	Paragraphs on problems of 15 sentences.	15 Marks
	and	
	Letter-Writing	
Q.No. 9	Translation from Hindi to English.	10 Marks

पंचम पत्र - आधुनिक विषय **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

नेम्नलिखित में से प्रथम खण्ड में पठित कोई एक विषय :–

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति (सन् 1000 ई० से 1947 तक)
विशेष इतिहास सम्बन्धी प्रश्न 60 अंक के तथा संस्कृति सम्बन्धी प्रश्न 40 अंक के पूछे जायेंगे।

निर्देश :-

(i) इतिहास से सम्बन्धित 5 में से 3 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित हैं जिनके अंक 45 होंगे।

एक अतिरिक्त प्रश्न टिप्पणियों का होगा। चार में से दो टिप्पणियों का उत्तर अपेक्षित है। इस प्रश्न पत्र के अंक 15 होंगे।

संस्कृति से सम्बन्धित कुल 2 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। इसके अंक 20 होंगे। एक अतिरिक्त प्रश्न टिप्पणियों का होगा। पांच में से दो टिप्पणियों का उत्तर अपेक्षित है। इस प्रश्न के अंक भी 20 होंगे।

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. भारत का बृहत् इतिहास : द्वितीय भाग (मध्यकालीन भारत)
   लेखक – मजूमदार, राय चौधरी तथा दत्त।
   प्रकाशक – मैकमिलन एण्ड कम्पनी 1971।
2. भारत का बृहत् इतिहास : तृतीय भाग (आधुनिक भारत)
   लेखक – मजूमदार, राय चौधरी तथा दत्त।
   प्रकाशक – मैकमिलन एण्ड कम्पनी 1971।
3. आधुनिक भारतीय इतिहास एवं संस्कृति (1707-1950)
   लेखक – बी०एस० भार्गव।
   प्रकाशक – कालेज बुक डिपो, जयपुर।
4. आधुनिक भारतीय संस्कृति – ए० पी० शर्मा
   प्रकाशक – लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा-2, 1972

2. अर्थशास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. भारतीय अर्थ व्यवस्था का स्वरूप।
2. प्राकृतिक साधन : वन, खनिज साधन, उर्जा के साधन।
3. जनसंख्या आकार, वृद्धि तथा घनत्व, जनसंख्या और आर्थिक विकास।
4. कृषि, कृषि एवं आर्थिक विकास, बहुद्देशीय योजनाएं।
5. सहकारिता – उद्देश्य एवं प्रकार।
6. कुटीर, लघु उद्योग, भारी उद्योग, लोहा, इस्पात, रूई, टैक्सटाईल, चीनी।
7. विदेशी व्यापार–संगठन एवं निर्देश
8. सार्वजनिक वित्त–भारत की राष्ट्रीय आय।
9. भारत में बैंकिंग व्यवस्था।
10. छठी पंचवर्षीय योजना।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो ही प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. भारतीय अर्थव्यवस्था – रूद्रदत्त एवं सुन्दरम्।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था – अलक घोष।
3. प्री० यूनि०इकनोमिक्स (हिन्दी)
   टी०आर० जैन, टी०आर० वैद्य, ओ०पी० खन्ना, वीरसैन।

3. समाजशास्त्र **पूर्णांक 100**
समय 3 घण्टे

1. संस्कृति और समाज।
2. धर्म और समाज।
3. शिक्षा और समाज।
4. श्रम विभाजन, अर्थ और सम्पत्ति।
5. राजनैतिक सरकार।
6. राज्य और समाज तथा राष्ट्र और समाज।
7. विवाह–प्रकार एवं समाज में प्रचलन।
8. परिवार की संघटना के नियम–मातृप्रधान, पितृप्रधान आदि।
9. भारतीय जाति तथा प्रथा--रचना कार्य तथा परिवर्तनशील पहलू।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ सामान्य प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। 20×4=80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो ही प्रष्टव्य हैं। 10×2=20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. समाजशास्त्र – जी०के अग्रवाल (संस्करण 1982)
   प्रकाशक – आगरा बुक स्टोर, आगरा।
2. आधारभूत – समाजशास्त्रीय अवधारणायें – एस०एस० शर्मा
   प्रकाशक – सरूप एण्ड सन्स, विक्टोरिया पार्क, मेरठ।
3. भारतीय सामाजिक संस्थायें – एस० एस० शर्मा।
   प्रकाशक – सरूप एण्ड सन्स, विक्टोरिया पार्क, मेरठ।
4. समाजशास्त्र के मूल सिद्धांत–विद्याभूषण सचदेव।
5. Sociology-A Guide to Literature and Science by T.B. Bottomore.
6. Sociology - A Systematic Introduction by H.M. Johnson.

4. राजनीति शास्त्र — पूर्णांक 100
समय 3 घण्टे

1. राजनीति शास्त्र की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र एवं अन्य समाज शास्त्रों से सम्बन्ध
2. प्रशासन तथा भारतीय संविधान (क) संविधान की प्रस्तावना तथा विशेषतायें।
3. भारतीय संघवाद।
4. मौलिक अधिकार तथा मौलिक कर्त्तव्य।
5. राज्य के नीति–निर्देशक सिद्धांत।
6. संघीय कार्यपालिका (नाममात्र एवं मन्त्रिपरिषद्)
7. सघीय विधान मण्डल।
8. संघीय न्यायपालिका (न्याय़पालिका की स्वतंत्र एवं सर्वोच्चता)
9. राज्य की कार्यपालिका।
10. राज्य विधान मण्डल।
11. जिला शासन एवं स्वायत्त प्रशासन।
12. संघ एवं राज्यों में सम्बन्ध।
13. लोक सेवा आयोग।

निर्देश :-

1. किन्हीं आठ प्रश्नों में से चार प्रष्टव्य हैं। — 80 अंक
2. किन्हीं चार टिप्पणियों में से दो ही प्रष्टव्य हैं। — 20 अंक

प्रस्तावित पुस्तकें :-

1. भारतीय संविधान तथा प्रशासन – एस०एस० नन्दा, नीलम पब्लिशर्ज।
2. नागरिक शास्त्र के सिद्धांत – भारतीय संविधान तथा प्रशासन, एम०एम० शर्मा।

शास्त्री तृतीय खण्ड

प्रथम पत्र - साहित्य एवं वेद — पूर्णांक 100
समय 3 घण्टे

क) साहित्य

(i) कादम्बरी – कथामुख तथा शुकनासोपदेश। — 30 अंक

ख) (ii) शिवराजविजयम् – 1, 2 निश्वास केवल। — 20 अंक

ग) वेद

(iii) ऋक्–सूक्त–संग्रह (डॉ० हरिदत्त शास्त्री) 30 अंक

निम्नलिखित सूक्त :–

1.1	अग्नि–सूक्त।	10.90	पुरुष–सूक्त।
1.115	सूर्य–सूक्त।	10.129	नासदीय–सूक्त।
1.154	विष्णु–सूक्त।	5.83	पर्जन्य–सूक्त।
3.81	उषा–सूक्त।	7.83	इन्द्रावरूण–सूक्त।
6.53	पूषा–सूक्त।		

घ) निरुक्त (1, 2 अभ्यास) 20 अंक

निर्देश :-

क) 1. कादम्बरी के चार गद्यांशों में से दो गद्यांश प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

2. बाणभट्ट का कृतित्व एवं व्यक्तित्व। 10 अंक

ख) 1. दो गद्यांशों में से एक गद्य प्रष्टव्य है। 10 अंक

2. पण्डित अम्बिका दत्त व्यास का कृतित्व एवं व्यक्तित्व। 10 अंक

ग) 1. किन्हीं चार मंत्रों में से दो मंत्रों की सायणकृत व्याख्या। 20 अंक

2. किसी एक सूक्त का सार। 10 अंक

घ) 1. प्रथम और द्वितीय अध्याय के दो प्रश्नों में से एक प्रश्न प्रष्टव्य है। 10 अंक

2. आठ निर्वचनों में से पांच प्रष्टव्य हैं। 10 अंक

द्वितीय पत्र - दर्शन **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) तर्क–भाषा 35 अंक

ख) वेदान्तसार 30 अंक

ग) सांख्यकारिका। 35 अंक

निर्देश :-

क) 1. चार प्रश्नों में से दो सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 25 अंक

2. दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की व्याख्या। 10 अंक

ख) 1. चार सामान्य प्रश्नों में से दो सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य। 20 अंक

2. दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की व्याख्या। 10 अंक

ग) 1. चार सामान्य प्रश्नों में से दो प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 25 अंक

2. दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या। 10 अंक

तृतीय पत्र - विशिष्ट-शास्त्र-परिशीलन **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

निम्नलिखित में से प्रथम एवं द्वितीय वर्षों में पठित किसी एक विषय का विशेष अध्ययन।

क) काव्य शास्त्र **100 अंक**

समय 3 घण्टे

1. वक्रोक्तिजीवित (कुन्तक) केवल प्रथम एवं द्वितीय अध्याय 50 अंक
2. औचित्यविचार चर्चा (क्षेमेन्द्र) 50 अंक

निर्देश :-

क) 1. वक्रोक्तिजीवितम् की चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या 10 अंक

2. कुन्तक का कृतित्व, व्यक्तित्व एवं वक्रोक्तिजीवित पर सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 10 अंक
3. किन्हीं चार सामान्य प्रश्नों में से दो प्रश्नों का विवेचनात्मक उत्तर प्रष्टव्य है। 30 अंक

ख) 1. औचित्य–विचार चर्चा के किन्हीं चार पद्यों में से दो की व्याख्या। 10 अंक

2. क्षेमेन्द्र के कृतित्व, व्यक्तित्व एवं औचित्य – विचार चर्चा पर सामान्य रूप से एक प्रश्न प्रष्टव्य है। 10 अंक
3. किन्हीं छः औचित्यों में से तीन के लक्षणोदाहरण एवं प्रत्युदाहरण प्रष्टव्य है। 30 अंक

ख) व्याकरण शास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

पातञ्जल – महाभाष्य – सप्तम् से नवम् अहिन्क पर्यन्त

निर्देश :- प्रत्येक आन्हिक में से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। समस्त नौ प्रश्नों में से पांच प्रश्न करने होंगे। 5×20=100 अंक

ग) दर्शनशास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

क) नैष्कर्म्य सिद्धि (सुरेश्वराचार्य), प्रथम तीन अध्याय। 60 अंक

ख) भामती (वाचस्पति मिश्रकृत) चतुःसूत्री भाग। 40 अंक

निर्देश :-

क) 1. किन्हीं छः विवेचनात्मक प्रश्नों में से तीन प्रष्टव्य हैं। 45 अंक

2. किन्हीं दो टिप्पणियों में से एक प्रष्टव्य है। 15 अंक

ख) 1. भामती के दो सामान्य प्रश्नों में से एक प्रष्टव्य है। 30 अंक

2. दो टिप्पणियों में से एक प्रष्टव्य है। 10 अंक

घ) धर्मशास्त्र **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

अ) पारांशर स्मृति (सायण भाष्य सहित) 50 अंक

ब) पारस्कर गृह्य सूत्र काण्ड 2 कण्डिका 1 से 10 50 अंक

निर्देश :-

(अ), (ब), किन्हीं आठ प्रश्नों में से चार विवेचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य हैं। 80 अंक

उपर्युक्त पुस्तकों में से चार टिप्पणियों में दो प्रष्टव्य हैं। 20 अंक

ङ) वैदिक वाङ्मय **पूर्णांक 100**

समय 3 घण्टे

ऋगवेद संहिता मण्डल 1 सूक्त 164, 166 मण्डल 3 सूक्त 33, मण्डल 4 सूक्त 53, मण्डल 5, सूक्त 47, मण्डल 7 सूक्त 33, मण्डल 10 सूक्त 120, 121, 155 (सायणभाष्य सहित) 80 अंक

1. निरुक्त अध्याय 2. मुण्डकोपनिषद् तथा माण्डूक्योपनिषद् 20 अंक

SHASTRI PART-III (M.D.U.Scheme) 2002-2003

वैकल्पिक पत्र

ENGLISH

Max. Marks: 100
Time: 3 Hours.

i)	The Merchant of Venice by Shakespeare	50
ii)	Sound in Sense	25
iii)	Grammer and Composition	25

Guideline: I:

(A) Ref. to the Context (Any 2 out of 4) — 20

(B) Character Sketch of any one out of two — 20

(C) Idioms and Pharases from the play (any 5 out of 8) — 10

Guideline-II Only 4 poems from the book

1. Lucy Gray 2. The Solitary Reaper
3. To Antrimn 4. The death of Sorrah

A. Ref. to the context any one out of two — 10

B. Brief summary of any poem — 15

Guideline_III A Narration (Only interrogative sentences) — 5

B. Translation from Hindi to English — 10